



सं०-510/xxv!!!(3)2005-83/2005

प्रति,

अनुमति  
संयुक्त सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
आकितला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

आकितला अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक : 30 मार्च, 2005

विषय: एल०डी० भट्ट चिकित्सालय काशीपुर एवं साउल्बा०के० बाजपुर तथा किच्छा  
अनपद अधनसिंह नगर छे भवनो का नवीनीकरण एवं विस्तारीकरण हेतु  
अनुराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उन्मुखित विषयक आनके पत्र सं०-74/1/स०वि०/42/2004/5207 दिनांक 4.3.05 के  
संदर्भ में मुझे पत्र कहने का निवेद हुआ है कि श्री शासनगत महोदय जिलाय वर्ष 2004-05  
में एल०डी० भट्ट चिकित्सालय काशीपुर एवं साउल्बा०के० बाजपुर तथा किच्छा अनपद  
अधनसिंह नगर के भवनो के नवीनीकरण एवं विस्तारीकरण हेतु सलगनकातुसार कुल  
रु० 2,50,82,00,000.00 (रु० दो करोड़ पचास लाख पचासी हजार मात्र) की लागत पर  
प्रस्तावना तथा जिलाय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू जिलाय वर्ष में रु० 70,00,000.00  
(रु० सात लाख मात्र) की अनुराशि की व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्नोक्त रातांतुसार प्रदान  
करते हैं ।

1- एल०डी० आदेशादी की कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से  
अनुमति प्राप्त कर ली।

2- कार्य काजत समय सं० नि० विभाग को स्वीकृत विशिष्टियों के अनुसार कार्य करावे  
तथा कार्य की गुणवत्ता पर निरीक्षण करा दिया जाये। कार्य की गम्भीरता का पूर्ण ध्यान रखा

अन्य नैतिकता तथा शासन द्वारा समर्थन-समर्थन पर निर्भर आदेशों को अनुमति दिया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

3- आगमन में वित्तीय/दत्त का वित्तियन विभाग को अधीक्षण अधिकारता द्वारा स्वीकृत/ अनुमति दी गई है और वही वित्तियन अधिकारी को स्वीकृत नहीं है अथवा शासन भाव से भी नहीं दिया है, को स्वीकृत वित्तियन/अधीक्षण अधिकारता को अनुमति आवश्यक होगा।

4- कार्य करने से पूर्व वित्तियन आगमन/नानिधि नष्ट कर वित्तियन/समान अधिकारी को वित्तियन स्वीकृत प्राप्त करनी होगी, बिना वित्तियन स्वीकृति से कार्य प्रारम्भ न किया जाए।

5- कार्य पर उत्तरा ही अन्य किया जाएगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक में अधिक अन्य कथारि न किया जाए।

6- एक नुसार वित्तियन को कार्य करने से पूर्व वित्तियन आगमन नष्ट कर वित्तियन/समान अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7- कार्य करने से पूर्व समर्थन अधिकारिता/समर्थन/दत्त को मध्य नगर रखते एवं लोक वित्तियन विभाग द्वारा वित्तियन दत्त/वित्तियन को अनुमति दी कार्य को समर्थन करके समर्थन करने करना सुनिश्चित करें।

8- कार्य करने से पूर्व समर्थन का भरोसा भी वित्तियन/समान अधिकारिता एवं भुगतान/समान को समर्थन करके लें। वित्तियन को समर्थन आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा वित्तियन/समान को अनुमति कार्य किया जाना।

9- आगमन को वित्तियन नहीं है/को वित्तियन स्वीकृत भी नहीं है, उसी नद पर अन्य किया जाए, एक नद का दूसरी नद में अन्य कथारि न किया जाए। वित्तियन/समान को प्रयोग में लाने से पूर्व वित्तियन/समान से वित्तियन कर लें साथ/समर्थन/समान को वित्तियन/समान में लाना जाए।

10- स्वीकृत धनराशि को वित्तियन एवं भौतिक प्रगति अथवा प्रत्यक्ष दत्त में नाह को 07 तारीख तक निर्धारित प्रारम्भ पर शासन को उपलब्ध कराई जाएगा। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि वह धनराशि में निर्माण का और का और धनराशि निर्माण किया गया है।

[illegible]

1- ठहराव दिनांक 2004-05 के आब-जमाक में अनुदान लेखा : -12 के लेखाशीर्षक 2010-विनिश्चिता सेवा लोक स्वास्थ्य पर सुसंगत परिवर्धन-आयोजनागत -00-01- राशरी स्वास्थ्य सेवाओं 010- अस्पताल सेवा अधिभारण 12- ठहराव विशिष्ट निफित्ता : 24-शुद्ध निर्माण कार्य के नाम राशरी आर्गन

75- यह आवेद निम्न विभाग को अर्थात् सी०-1363/वित्त अनुभाग-2/2004 दिनांक 30.3.05  
में प्राप्त करने के बाद विवेक का रहेगा।

 $\frac{1}{\sqrt{2}}(\sigma_x + \sigma_y)$ 

(५३) (५४)

संयुक्त सचिपस

श्रीग-५१०/xxviii(३)२००५-८३/२००५ गदपिनीधित

ਸਮਿਤੀ/ਸਿਲੇਬਸ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਦੋ ਅਨੁਸਰਣ ਆਰਥਿਕਤਾ ਉੱਤੇ ਆਧਾਰ :-




नं०-570/एच/III(3)/2005-83/2005 दिनांक 12.12.05 का संलग्नक

(रु० लाख में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	अनुमानित लागत	निर्माण इकाई का नाम	वर्ष 2004-05 में स्वीकृत धनराशि
1	2	3	4	5
1	सहायक भवन विद्यालय सवाईपुर से भवन का मरम्मतकरण एवं एवं आउटफिटिंग आउटफिट का निर्माण	178.76	ड0प्र0 सहायक कल्याण निर्माण निगम	30.00
2	सहायक भवन विद्यालय सवाईपुर से भवन का मरम्मतकरण एवं सुदृढीकरण	58.21	ड0प्र0 सहायक कल्याण निर्माण निगम	20.00
3	सहायक भवन विद्यालय सवाईपुर से भवन का मरम्मतकरण एवं सुदृढीकरण	59.85	ड0प्र0 सहायक कल्याण निर्माण निगम	20.00
	योग	296.82		70.00

(रु० छठसठ लाख मात्र)

  
(अरुण सिंह)  
संयुक्त सचिव